Regarding health hazards due to water pollution in Ghaggar river and affected areas of Haryana

कुमारी सैलजा (सिरसा) **:** सर, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान घग्गर नदी के बढ़ते प्रदूषण और इससे प्रभावित हरियाणा के सिरसा, फतेहाबाद, कैथल और अंबाला जिलों के लाखों लोगों के सामने खड़ी गम्भीर स्वास्थ्य आपदा की ओर आकर्षित करना चाहती हूं । घग्गर नदी में जल प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है और सीपीसीबी के मापदंड के मुताबिक भी यह कई गुना ज्यादा हो चुका है । इन प्रभावित जिलों के गांवों में कैंसर और हेपेटाइटिस सी का तेजी से बढ़ना गम्भीर चिंता का विषय है । घग्गर नदी के किनारे बसे कई गांवों में कैंसर, हेपेटाइटिस सी, त्वचा रोग, किडनी रोग और पाचन संबंधी गम्भीर बीमारियों में चिंताजनक वृद्धि दर्ज की जा रही है । मैं हर महीने 20 से अधिक पत्र माननीय प्रधान मंत्री जी को रिलीफ फंड से सहायता के लिए लिखती हूं ।

सिरसा जिले में घग्गर नदी 169 किलोमीटर बहती है । इन गांवों में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज हो रही है । ओटू, रोड़ी कुत्ताबढ़ और ऐलनाबाद क्षेत्र के कई गांव इसमें शामिल हैं । प्रदूषित घग्गर का पानी न तो पीने योग्य है और न ही इसे सिंचाई योग्य माना जाता है, क्योंकि भाखड़ा नहर का पेयजल आज तक उपलब्ध नहीं हो पाया है । ग्रामीणों को भूजल या नदी के आसपास के प्रदूषित जल स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है । भूजल में भारी धातुएं और रसायन पाए जाने के कारण कैंसर व लीवर रोगों में लगातार वृद्धि हो रही है । घग्गर नदी में प्रदूषण नियंत्रण करने वाली सरकारी योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं । पंजाब और हरियाणा सरकार द्वारा स्थापित अधिकांश एसटीपी या तो बंद पड़े हैं या क्षमता अनुसार काम नहीं कर रहे हैं । नदी संरक्षण योजना का अधिकतर कार्य सिर्फ फाइलों में है ।

मैं सरकार से आग्रह करती हूं कि वह तुरन्त हस्तक्षेप करे और घग्गर नदी में प्रदूषण रोकने के लिए आपातकालीन कार्यवाही शुरू करे । सिरसा, फतेहाबाद, कैथल और अंबाला जिलों के प्रभावित गांवों में व्यापक जल गुणवत्ता सर्वे कराया जाए । पंजाब और हरियाणा के सभी एसटीपी की केंद्रीय एजेंसी द्वारा सीधे मॉनीटरिंग कराई जाए । नेशनल रिवर कंजर्वेशन प्लान के तहत विशेष वित्तीय व तकनीकी पैकेज जारी किया जाए । सिरसा जिले के घग्गर किनारे के गांवों को तुरन्त भाखड़ा नहर का पेयजल उपलब्ध कराया जाए, ताकि कैंसर और गम्भीर बीमारियों को रोका जा सके ।